मेरे श्याम के चर्चे है | By Suren Namdev

मन में हो उलझन आकर सुना दो
हाथ जोड़ कर बस ज्योत जगा लो
भक्ति से बस काम बने, न काम बने कोई खर्चे ते
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है

इनके नाम से चलें सरकारें
जितने भी चौधरी शीश झुका रे
इनके जैसे मिले कोई ना गूगल पे भी सर्च ते
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है

जब कोई नहीं सुनता ये करके दिखाते
मूर्ख हैं कुछ फिर भी इठलाते
करता फैसला तुरंत ही ये ना दबते पर्चे हैं
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है

इनकी दया शर्मा लिख पाता
कदम कदम मेरा साथ निभाता
बिगड़ी का बस है एक सहारा काम जहाँ बनते हैं
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है
दूर दूर तक सुनलो जी मेरे श्याम के चर्चे है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-suren-namdev/